Madhulika (Hindi Pathyapustak) Class - 3

3 हिंदी (मधुलिका)

1. बहुत बड़ा है यह संसार

मुख से

(मौखिक अभिव्यक्ति हेतु प्रोत्साहित करें। शुद्ध उच्चारण हेतु मार्ग-निर्देश दें। संकोची व कमज़ोर बच्चों को अधिक अवसर दें।)

(क) चिड़िया, (ख) संसार, (ग) कि यह संसार बहुत बड़ा है।

कलम से

1. (क) चिड़िया का दूसरा घर सूखे तिनकों से तैयार हुआ था।
   (ख) चिड़िया जब आसमान में दूर तक उड़ी, तब वह समझी की संसार बहुत बड़ा है।
2. (*i*) अंडे जैसा..., (*ii*) इतना-सा ही है संसार, (*iii*) आसमान में, (*iv*) पंख पसार, (*v*) बहुत बड़ा है यह संसार
3. (क) अंडे जैसा, (ख) घोंसला, (ग) कोमल

भाषा से

1. घर–गृह, पंख–पर, बस–केवल, नभ–आसमान, संसार–जगत
2. अंडा, संसार, पंख, पतंग, शतरंज
3. मैं, जैसा, है
4. (क) था, (ख) थी, (ग) था, (घ) था

सोच-समझकर

1. क्योंकि चिड़िया का जन्म अंडे में हुआ था।
2. संसार बहुत बड़ा है। इसमें पर्वत हैं, समुद्र हैं, झीलें हैं, झरने और नदियाँ हैं, वन, मैदान मरुस्थल आदि हैं।
3. (*i*) अंडाकार, (*ii*) वर्गाकार, (*iii*) आयताकार, (*iv*) गोलाकार, (*v*) कीपाकार

आओ कुछ और करें

1. ऐसा सुंदर घोंसला 'बया' (एक चिड़िया का नाम) तैयार करती है।
2. विद्यार्थी स्वयं प्रयास करें।
   संकेत : नील गगन में उड़-उड़ जाते, मीठा-मीठा गान सुनाते, साँस ढले तब लौट के आते, सबके मन को ये हैं भाते।

2. स्वतंत्रता का सुख

मुख से

(मौखिक प्रश्नों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की बोलने में हिचक को दूर करना, आत्म-विश्वास जागृत करना, अपनी बात को प्रस्तुत कर सकने की क्षमता का विकास करना होता है। मौखिक उत्तर देने से कुछ बच्चों की हकलाने की समस्या भी समाप्त हो सकती है इसलिए कक्षा के अधिकतम बच्चों को बोलने का अवसर प्रदान करें तथा उनके उच्चारण के ढंग में सुधार करवाएँ।)

(क) जैसे पक्षी हमारी पतंगों के साथ होड़ लगा रहे हों कि कौन ऊँचा उड़ता है।
(ख) जब रवींद्र पक्षियों को पिंजरे में कैद देखता था।
(ग) जब उसकी भाभी अपनी सखियों के साथ फ़िल्म देखने गई थीं।
(घ) क्योंकि पक्षियों को आज़ाद करके उसे सच्ची खुशी मिल गई थी।

कलम से

1. (क) उन दिनों लोगों को घरों में पक्षी पालने का बहुत शौक था।
   (ख) रवींद्र ने मँझली भाभी से विनती की कि वे पिंजरे में रखने के लिए पक्षियों को न लाएँ।
   (ग) भाभी घर में चार रंग-बिरंगी चिड़ियाँ और एक नया पिंजरा ले आईं।
   (घ) क्योंकि रवींद्र ने पिंजरे में कैद सभी पक्षियों को आज़ाद कर दिया था।
2. (क) ✓, (ख) ✗, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓

भाषा से

1. (क) लेखन का विशेषकर शिरोरेखा का निरीक्षण करें। कुछ बच्चे टेढ़ी-मेढ़ी शिरोरेखा खींचते हैं जबकि कुछ बच्चे शिरोरेखा खींचते ही नहीं।
   (ख) हँसकर, सुनकर, बोलकर, चलकर, पढ़कर, भागकर
2. (क) पंछी, (ख) चसका (ग) प्रार्थना, (घ) प्रसन्न, (ङ) सहेलियों
3. (क) बड़ा–छोटा, पास–दूर, दुखी–सुखी, नया–पुराना, उचित–अनुचित
   (ख) रवींद्र, अंत, पंथ, चंद्रमा, बंदर

सोच-समझकर

बच्चों से उनके मूल विचार ही रखवाएँ। प्रत्येक उत्तर सही माना जाना चाहिए क्योंकि ये उनके निजी विचार हैं। शिक्षकगण केवल अभिव्यक्ति हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। यदि किसी बच्चे के विचार सकारात्मक लगें तो उसके सुधार हेतु उचित हस्तक्षेप करें तथा मार्ग-दर्शन दें।

आओ कुछ और करें

1. वसंत महोत्सव, स्वतंत्रता-दिवस, मकर-संक्रांति, पोंगल कोई भी क्षेत्रीय उत्सव।
2. तोता, कबूतर, कौआ, चिड़िया, पपीहा
3. रंग भरने हेतु विद्यार्थियों का मार्ग-दर्शन करें। कुछ पक्षियों के प्राकृतिक रंग / रंगों के बारे में बताएँ।

3. सीखो

मुख से

बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें तथा लय में बोलकर दिखाएँ तथा लय के बारे में एक-दो पंक्तियाँ कहें। किसी फ़िल्मी बाल-गीत का उदाहरण भी दिया जा सकता है।

कलम से

1. (क) फूलों से हम हँसना सीख सकते हैं।
   (ख) तरु की झुकी डालियाँ हमें शीश झुकाना अर्थात विनम्र बनना सिखाती हैं।
   (ग) हवा के झोंके हमें सिखाते हैं कि सदा कोमल भाव बहाने चाहिए अर्थात सबसे प्रेम-भाव से मिलना-जुलना चाहिए और प्रेम से बातचीत करनी चाहिए।
   (घ) दूध और पानी से हम मेल-जोल की अर्थात मिल-जुलकर रहने की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।
2. किरणें निकलती हैं–सूरज से, पेड़ों से पत्ते झड़ते हैं–पतझड़ में, वृक्षों की डालियाँ झुकती हैं–फलों से, सदा आगे बढ़ती है–जलधारा, झरना बहता है–पर्वत से, लता लिपटी रहती है–पेड़-पौधों से
3. (क) भँवरे, (ख) सूरज की किरणों से, (ग) लता और पेड़

भाषा से

1. (क) फूल – झूल, कूल, भूल, शूल आदि
   गाना – जाना, माना, खाना, छाना आदि
   पानी – धानी, ठानी, तानी, दानी आदि
   लो – रो, धो, खो, जो आदि
   (ख) लिख, रूखी, भाव, सेल, राधा
2. अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ
3. मिलना और मिलाना, पढ़ना और पढ़ाना, करना और कराना, सीखना और सिखाना, देखना और दिखाना, चलना और चलाना

सोच-समझकर

❖ – पक्षियों से हम आज़ाद और खुश रहना सीख सकते हैं।
– दीपक से हम अज्ञानता के अंधेरे को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाना सीख सकते हैं। जिस प्रकार दीपक स्वयं जलकर भी प्रकाश फैलाता है उसी प्रकार कभी-कभी हम स्वयं दुखी रहकर भी दूसरों को प्रसन्नता दे सकते हैं।
– पर्वत से हम स्वाभिमान से जीना तथा सुख-दुख में एक समान खड़े रहना सीख सकते हैं।

❖ पेड़ों को बसंत ऋतु में ज़रूर खुशी होती होगी जब उन पर नए सुंदर पत्ते आते हैं, फूल खिलते हैं, फल आते हैं और तब वह फला-फूला और छायादार वृक्ष बन जाता है। जब उस वृक्ष के नीचे पथिक अपनी थकान मिटाता होगा और मीठे फल खाता होगा तब पेड़ को और भी ज़्यादा खुशी होती होगी।

❖ अच्छा बनने के लिए हमें अच्छी शिक्षाएँ ग्रहण करनी होंगी, जैसे–साफ-सुथरा रहना, पढ़ना-लिखना, बड़ों का आदर करना, मीठा बोलना और सभी के सुख-दुख में काम आना आदि।

आओ कुछ और करें

1. **संकेत :** हँसने से मन प्रसन्न रहता है, शरीर स्वस्थ रहता है, थकावट दूर होती है, काम करने और खेलने-कूदने का आनंद दुगुना हो जाता है, हँसने वाले को सब पसंद करते हैं और जब हम हँसते हैं तो हमारे आस-पास के लोग भी हँसते हैं।
2. दूध का दूध पानी का पानी–सच्चा न्याय।
   दूध का दूध पानी का पानी अर्थात सच और झूठ का पता लगाकर सही न्याय करना।

4. बंदर-बाँट

मुख से

(विद्यार्थियों के उच्चारण के ढंग पर, वर्णों की शुद्धता पर ध्यान दें तथा उचित मार्ग-निर्देश दें।)

(क) सफ़ेद बिल्ली को और काली बिल्ली ने उठाई।
(ख) कचहरी
(ग) रोटी तोड़कर बराबर-बराबर दे दी जाए।
(घ) क्योंकि टुकड़े बराबर हो नहीं रहे थे।

कलम से

1. (क) दोनों बिल्लियाँ खाने की खोज में निकली थीं।
   (ख) बंदर जब काफ़ी रोटी खा गया तब उन्हें बंदर की चालाकी का पता चला।
   (ग) बंदर ने बहाना बनाया कि दोनों बिल्लियाँ रोटी के लिए फिर झगड़ा करेंगी इसलिए वह बची-खुची रोटी भी खा गया।
2. (क) नमस्ते, (ख) धरम-काँटा, (ग) दोनों बिल्लियाँ

भाषा से

1. दिल्ली, रस्सा, सच्चा, गन्ना, उज्जवल
2. अट्ठाईस, मुड्ढ़ा, अड्डा, द्वार
3. केवल समझाने हेतु
4. म्याऊँ, आँख, ढूँढ़, लपकूँ, करूँगा

सोच-समझकर

बच्चों को अपने विचार प्रस्तुत करने को प्रोत्साहित करें।

आओ कुछ और करें

1. यदि किसी से झगड़ा हो जाए और आपस में फैसला न हो पाए तो कचहरी जाना पड़ता है। कचहरी में वकील होते हैं जो मुकदमा लड़ते हैं। कचहरी में न्यायाधीश (जज) होते हैं जो फ़ैसला करते हैं।
2. (*i*) (आम) तोलकर, (*ii*) (कपड़ा+पानी) मापकर, (*iii*) (पेंसिलें) गिनकर, (*iv*) (बल्ब) गिनकर, (*v*) (गेहूँ) तोलकर
3. मुखौटे बनाने हेतु मार्ग-दर्शन दें।

5. सच्चा बालक

मुख से

(विद्यार्थियों का उच्चारण शुद्ध करवाने में तथा उनकी बोलने की हिचक समाप्त करवाने में सहयोग दें।)

(क) गोपालकृष्ण गोखले भारत के महान नेताओं में से एक थे।
(ख) कि यह बालक महान व्यक्ति बनेगा।
(ग) गोपाल को छोड़कर सभी बच्चों को।
(घ) वह उदास हो गए क्योंकि वह झूठी प्रशंसा सहन नहीं कर पाए।

कलम से

1. (क) गोपाल कृष्ण गोखले ने जीवन-भर भारत की उन्नति के लिए प्रयत्न किए।
   (ख) क्योंकि छुट्टी होने को थी, इसलिए अध्यापक ने बच्चों को प्रश्न घर से हल करके लाने को कहा।
   (ग) गोपाल ने इसका कारण बताया कि अपनी झूठी प्रशंसा सुनकर उसे दुख हो रहा था।
   (घ) गोपाल ईमानदार था। उसे अपनी झूठी प्रशंसा पसंद नहीं थी।
2. (क) गणित, (ख) हैरान, (ग) योग्य, (घ) ईमानदारी, (ङ) अध्यापक
3. (क) तीसरी, (ख) केवल एक, (ग) महात्मा गांधी

भाषा से

1. (क) गोपालकृष्ण गोखले, (ख) अध्यापक, (ग) बचपन, (घ) भारत, (ङ) विद्यार्थी, (च) महात्मा गांधी
2. (क) वह, (ख) वे, (ग) उन्होंने, (घ) उसने, (ङ) मैंने
3. (क) के, (ख) की, (ग) का, (घ) को
4. स्वतंत्रता, महानता, वीरता, एकता, मानवता, योग्यता
5. केवल समझाने हेतु

सोच-समझकर

1. विद्यार्थी को बोलने / बताने हेतु प्रोत्साहित करें।
2. **संकेत :** ईमानदारी, घमंड न करना, झूठी प्रशंसा पर खुश न होना। ईमानदारी बरतना, अपनी गलती स्वीकार करना, सत्य बोलना, अपनी प्रशंसा सुनकर घमंड न करना।

आओ कुछ और करें

1. (*i*) महात्मा गांधी, (*ii*) लाला लाजपतराय, (*iii*) नेताजी सुभाषचंद्र बोस, (*iv*) जवाहरलाल नेहरू, (*v*) सरोजिनी नायडू, (*vi*) सरदार पटेल, (*vii*) लोकनायक तिलक, (*viii*) लाल बहादुर शास्त्री
2. अब्राहम लिंकन, जार्ज वाशिंगटन, नेल्सन मंडेला, अब्दुल गफ्फार खाँ आदि।

6. मधुर वाणी

मुख से

(विद्यार्थियों के उच्चारण का निरीक्षण करें। मौखिक अभिव्यक्ति हेतु प्रोत्साहित करें।)

(क) आम के पेड़ों के पत्तों में छिपकर
(ख) कि तुमने मीठा गाना गाना और मीठी वाणी बोलना कहाँ से सीखा।
(ग) कड़वे बोल नहीं बोलते और चिल्लाते नहीं।

कलम से

1. (क) कोयल मीठे गाने सुनाती है।
   (ख) बच्चा कोयल से मीठी बोली बोलना सीखना चाहता है।
   (ग) मीठा बोलने वाले लोग सबको भाते हैं।
2. पाठ्य-पुस्तक की सहायता लें।
3. (क) कुहू-कुहू, (ख) सबका, (ग) काला

भाषा से

1. काँव-काँव, सुंदर-सुंदर, अच्छी-अच्छी
2. राग – आग, झाग, जाग, साग आदि
   बोले – खोले, चोले, गोले, डोले आदि
   रंग – भंग, संग, अंग, ढंग आदि
   काला – भाला, माला, जाला, ताला आदि
   भाते – आते, जाते, नहाते, गाते आदि
3. पन्ना, चप्पल, चम्मच, चक्की, कच्चा

4. दिल, बिलकुल, सुंदर, मीठी

सोच-समझकर

❖ मोर–केऊँ-केऊँ, कबूतर–गुटर-गूँ, कौआ–काँ-काँ, तोता–टें-टें, चिड़िया–चीं-चीं, पपीहा–पीहू-पीहू

❖
1. मोर बादल देखकर नाचता है।
2. तोता व्यक्तियों की आवाज़ की नकल करता है।
3. पपीहा मीठे गीत सुनाता है।
4. चिड़िया दाने की खोज में लंबी उड़ान भरती है।
5. कौआ काँव-काँव करके मेहमानों के आने की सूचना देता है।
6. कबूतर भोला-भाला पक्षी होता है।

आओ कुछ और करें

बच्चों को प्रकृति से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित करें। पशु-पक्षियों की सुरक्षा / सेवा हेतु प्रोत्साहित करें।

7. स्वास्थ्य-धन

मुख से

(मौखिक अभिव्यक्ति हेतु बच्चों को प्रेरणा दें।)

(क) क्योंकि उसके सामने परी खड़ी थी।
(ख) तो शरीर से दुर्गंध आने लगती है।
(ग) त्वचा के रोग हो जाते हैं।
(घ) तो वह उदास रहेगा, चिड़चिड़ा हो जाएगा। किसी भी काम में उसका मन नहीं लगेगा।

कलम से

1. (क) परी बहुत ही सुंदर थी।
   (ख) हमारे वस्त्र साफ़-सुथरे और प्रेस होने चाहिए।
   (ग) अच्छे स्वास्थ्य से चेहरे पर चमक रहती है और मन प्रसन्न रहता है।
   (घ) स्वस्थ रहने के लिए बच्चों को रोटी, हरी सब्ज़ियाँ, सलाद, दही, पनीर, मक्खन, फल, सूखे मेवे आदि खाने चाहिए।
2. (क) खूबसूरत, (ख) बीमार, (ग) हृष्ट-पुष्ट, (घ) मुँह, (ङ) मुसकाता
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗, (ङ) ✓

भाषा से

1. (*i*) वस्त्र, (*ii*) त्वचा, (*iii*) स्वास्थ्य, (*iv*) स्वभाव, (*v*) ज़्यादा, (*vi*) पौष्टिक
2. (*i*) पार्क, (*ii*) सूर्य, (*iii*) प्रकाश, (*iv*) चक्र, (*v*) प्रेस, (*vi*) पार्टी
3. (क) वह, (ख) वे, (ग) उसकी, (घ) उसने
4. ठंडा–पानी, गहरी–नदी, मोटा–भालू, मीठा–शहद, ऊँचा–पर्वत

सोच-समझकर

1. विद्यार्थी स्वयं अपनी पसंद प्रकट करें।

8. चिड़िया का संघर्ष

मुख से

(मौखिक अभिव्यक्ति हेतु बच्चों का उत्साहवर्धन करें। मौखिक प्रश्न अधिकतम बच्चों से पूछें, विशेषकर संकोची बच्चों से।)

(क) छोटी सी - प्यारी सी।
(ख) पेड़ के तने पर। ताकि वहाँ आराम से बैठकर दाना खा पाए।
(ग) चिड़िया ने बढ़ई से पेड़ को चीरकर दाना निकालने के लिए प्रार्थना की।
(घ) रानी ने चिड़िया को पूरी बात बताने के लिए कहा ताकि वह सबको पकड़वा सके।

कलम से

1. (क) क्योंकि उसकी चोंच इतनी लंबी नहीं थी कि वह उसे निकाल पाती।
   (ख) चिड़िया सबसे पहले बढ़ई के पास गई ताकि वह पेड़ को चीर सके।
   (ग) लुहार आरी इसलिए नहीं बना कि उसके पास लोहा नहीं था।
   (घ) चिड़िया अंत में रानी के महल की छत पर पहुँची।
2. 3, 2, 6, 5, 7, 1, 4, 8
3. (क) तराजू पर, (ख) राजा को, (ग) कोतवाल को

भाषा से

1. दाना–दाने, चोंच–चोंचें, तना–तने, छत–छतें, कंधा–कंधे, दाल–दालें, टुकड़ा–टुकड़े, चीज़–चीज़ें, तिनका–तिनके, मेज़–मेज़ें
2. मोटी-सी–दरार, प्यारी-सी–चिड़िया, लंबा-सा–पेड़, तीखी-सी–आरी, ऊँची-सी–छत
3. (क) चिड़िया पेड़ के तने पर जा बैठी।
   (ख) उसने बहुत कोशिश की, पर दाना नहीं निकला।
   (ग) चिड़िया महल की छत पर जा बैठी।
   (घ) बढ़ई पेड़ को चीरता नहीं।
4. (क) को, (ख) के, (ग) का, (घ) की

सोच-समझकर

1. साहसी, चतुर, दृढ़ निश्चय वाली, मेहनती।
2. बढ़ई मेज़-कुरसी, पलंग, सोफ़ा, खिड़की, दरवाज़े आदि बनाता है।

3. लुहार, कुल्हाड़ी, फावड़ा, हल, दराँति, आरी आदि बनाता है।
4. लोहे से सूई, जहाज़, कार, साइकिल, स्कूटर, अलमारी आदि।
5. कठफोड़वा पक्षी की।

9. कुसंगति का फल

मुख से

मौखिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन व प्रेरणा प्रदान करें। संकोची बच्चों को प्रश्नों के उत्तर बोलकर उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं, फिर उनसे बोलने को कह सकते हैं। जैसे आप बता सकते हैं पहले प्रश्न का उत्तर है–

(क) हंस बरगद के पेड़ पर रहता था।

अब इस उत्तर को आप किसी संकोची बच्चे को दोहराने के लिए कह सकते हैं।

(ख) क्योंकि तेज़ धूप में वह घोड़ा दौड़ा-दौड़ाकर थक चुका था।
(ग) कि एक हंस डाल पर पंख फैलाए बैठा है।
(घ) हंस की छाती में तीर लगने से उसकी मृत्यु हो गई।

कलम से

1. (क) हंस सबका हितैषी था और कौआ पूरा दुष्ट।
   (ख) शिकारी को आराम देने के लिए हंस ने अपने पंख फैला लिए। इससे शिकारी के चेहरे पर छाया हो गई।
   (ग) हंस की मृत्यु का दृश्य एक उल्लू और उसकी पत्नी ने देखा।
   (घ) महापुरुष कहते हैं कि बुरे की संगत में कभी नहीं रहना चाहिए।
2. (क) कौआ, (ख) साझे, (ग) पंख, (घ) बीट, (ङ) धनुष-बाण
3. (क) शिकारी, (ख) बरगद के नीचे, (ग) कौए ने

भाषा से

1. गहरी–नींद, दुष्ट–कौआ, नेक–हंस, मादा–उल्लू, तेज़–धूप, विशाल–वृक्ष
2. दुर् + दिन, दुर् + बल, दुर् + गंध, दुर् + लभ, दुर् + भाग्य
3. (क) दौड़ाते-दौड़ाते, पढ़ाते-पढ़ाते, चलाते-चलाते, कराते-कराते, सुनाते-सुनाते
   (ख) छनकर, बैठकर, फैलाकर, जान-बूझकर, देखकर
4. (क) पहुँचा, (ख) गई, (ग) था, (घ) चुका था, (ङ) लगा
5. केवल समझाने हेतु

सोच-समझकर

1. 2. 3. छात्र स्वयं अपनी समझ से करेंगे।
4. पेड़ सबके साझे होते हैं क्योंकि कोई भी पक्षी उन पर आराम कर सकता है, घोंसला बना सकता है, फल खा सकता है। पेड़ के नीचे कोई भी आराम कर सकता है।

आओ कुछ और करें

महापुरुष: (*i*) तुलसीदास जी, (*ii*) गुरु नानकदेव जी, (*iii*) महात्मा बुद्ध, (*iv*) भगवान महावीर, (*v*) गुरु रविदास जी

10. कश्मीर का सौंदर्य

मुख से

(क) क्योंकि यहाँ पहाड़, क्यारियाँ, वृक्ष, झीलें और सजे-धजे शिकारे हैं।
(ख) निशात बाग सीढ़ीदार बाग हैं। इस बाग के बीचों-बीच छोटे-छोटे तालाब हैं। बाग की क्यारियों में रंग-बिरंगे फूलों की छटा देखते ही बनती है।
(ग) हाउस बोट में।
(घ) शालें, केसर और लकड़ी से बनी सुंदर वस्तुएँ।

कलम से

1. (क) डल झील में बहुत ही सुंदर और मनोरम नज़ारा नज़र आता है।
   (ख) शालीमार बाग में आड़ू, बादाम, खुबानी, चैरी और सेब के पेड़ नज़र आते हैं।
   (ग) शालीमार बाग की नहर एक झरने के रूप में डल झील में जा गिरती है।
   (घ) कश्मीर में गुलमर्ग, खिलनमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।
2. (क) कश्मीर हमारे देश का **सबसे सुंदर प्रदेश है।**
   (ख) हम पूरे कश्मीर को एक **सुंदर बगिया मान सकते हैं।**
   (ग) सजे-धजे शिकारे **मन को मोह लेते हैं।**
   (घ) कश्मीर की केसर अनेक **देशों में भेजी जाती है।**
   (ङ) कश्मीर ऐसा स्थान है, **जहाँ आनंद-ही-आनंद है।**
3. (क) पृथ्वी का स्वर्ग, (ख) शालीमार बाग,
   (ग) पहलगाम से

भाषा से

1. कृषक, गृह-कार्य, तृतीय, दृढ़, दृष्टि
2. दर्शनीय– स्थान, कढ़ाईदार– शालें, लाल-लाल– गुच्छे, छोटे-छोटे– तालाब, हरे-भरे– वन, सीढ़ीदार– बाग
3. सीढ़ीदार, रंगदार, कढ़ाईदार, घुमावदार, खुशबूदार
4. दृश्य, आकर्षक, क्यारियाँ, गुच्छे, सीढ़ियाँ

सोच-समझकर

1. छात्र स्वयं बताएँ।

2. गोवा में मुख्य रूप से समुद्र तथा रेतीले बीच देखने को मिलेंगे।
पेड़ों पर लटकने वाले फल: आम, जामुन, नारियल, सेब, संतरा, लीची, पपीता, केला आदि।
बेलों पर लटकने वाले फल: अंगूर।
ज़मीन पर फलने वाले फल: खरबूज़ा, तरबूज़, खीरा, ककड़ी आदि।

11. छुट्टियों का उपयोग

मुख से

(क) क्योंकि वे लंबे समय बाद एक-दूसरे से मिल रहे थे।
(ख) कि प्रिया इतना सुंदर स्कैच बना लेती है।
(ग) सोया रहता था।
(घ) क्योंकि सभी बच्चों ने समय का सदुपयोग किया था।

कलम से

1. (क) प्रिया पहले स्कैचिंग इसलिए नहीं सीख पाई थी क्योंकि उसे समय नहीं मिलता था।
(ख) हमें खाली समय में कुछ-न-कुछ नया सीखने की कोशिश करनी चाहिए।
(ग) सुमित्र ने छुट्टियों में एक योग शिविर में भाग लिया था और कई तरह के व्यायाम सीखे थे। इससे वह चुस्त-फुर्त हो गया था।
(घ) दीक्षा छुट्टियों में नानी के गाँव गई। वहाँ बैलगाड़ी और ट्रैक्टर पर बैठी। उसने मामा जी के खेत में दो पौधे भी लगाए।
(ङ) ध्रुव को पता चला कि मिट्टी की मूर्तियाँ बनाना उतना आसान नहीं है, जितना देखने में लगता है।
2. प्रिया– स्कैचिंग करना, सुमित्र– योग और व्यायाम, क्रिस्टिना– गिटार बजाना, सोहा– नृत्य करना, ध्रुव– मिट्टी की मूर्तियाँ बनाना
3. (क) छुट्टियों के बारे में, (ख) मैडम का,
(ग) अपनी सीट से खड़े होकर

भाषा से

1. **व्यक्तियों के नाम**– प्रिया, सोहा, बैटी, क्रिस्टिना, दीक्षा
प्राणियों के नाम– कुत्ता, बैल, गाय, ऊँट, गधा
स्थानों के नाम– कमरा, स्कूल, गाँव, शहर, रसोईघर
वस्तुओं के नाम– पेंसिल, मिट्टी, गिटार, मूर्ति, पौधा
भावों के नाम– उदासी, हँसी, गर्व, मिठास, गरमी
2. (क) मैडम कक्षा में आ गई हैं।
(ख) बच्चे अभिनंदन कर रहे हैं।
(ग) आज हम छुट्टियों के बारे में बात करेंगे।
(घ) मैं हर प्रश्न का सबसे पहले जवाब दूँगा।
3. दीक्षा, छुट्टियाँ, सुमित्र, चुस्त, बच्चे, नृत्य।
4. केवल समझाने हेतु।

सोच-समझकर

4. हमें सब कलाकारों का सम्मान इसलिए करना चाहिए क्योंकि सब कलाकार हमारा मनोरंजन करते हैं। हमारी उदासी को दूर करते हैं। हमारा मन बहलाते हैं।
[शेष बिंदु बच्चे स्वयं करेंगे।]

12. प्यारा बसंत

मुख से

(क) पतंगों से ढक गया है।
(ख) ठंडा, मीठा मौसम।
(ग) बसंत आने से बच्चों पर मस्ती छाई हुई है।

कलम से

1. पाठ्य-पुस्तक की सहायता से।
2. (क) आकाश ढका पतंगों से,
कैसे-कैसे रंगों से
बच्चों में भी मस्ती छाई,
प्यारी-प्यारी बसंत ऋतु आई।
(ख) बहारों ने है रंग बरसाया,
ठंडा मीठा मौसम आया
हुई शरद की मधुर विदाई,
प्यारी-प्यारी बसंत ऋतु आई।
3. (क) तितली, (ख) शरद की, (ग) फूलों से

भाषा से

1. वस्तुएँ, मालाएँ, माताएँ, बालाएँ, पतंगें, कोयलें, पुस्तकें, रातें
2. बगिया – बगिया में रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।
आकाश – आकाश में काले बादल छाए हुए हैं।
बच्चे – बच्चे खेलकूद कर रहे हैं।
कोयल – कोयल मीठा गाना गा रही है।
3. (*i*) बसंत ऋतु – प्यारी-प्यारी
(*ii*) हरियाली – मनभावन
(*iii*) मौसम – ठंडा मीठा
(*iv*) फूल – रंग-बिरंगे
4. बच्चे स्वयं अपने मनपसंद शब्द छाँटकर लिखेंगे।
संकेत : आई–छाई, बरसाया–आया, विदाई–आई, पंतगों–रंगों

सोच-समझकर

❖ 1. पीले मीठे चावल, 2. पीले, 3. घूमने, 4. सरस्वती माता की पूजा करके।
❖ बसंत ऋतु आमतौर पर फरवरी महीने में आती है।

आओ कुछ और करें

– बच्चों को बताएँ कि राष्ट्रपति भवन स्थित मुगल

वाटिका आम जनता के लिए 15 या 16 फरवरी को 30 दिनों के लिए खोली जाती है।

– फूलों की घाटी उत्तराखंड के चमोली ज़िले में स्थित है। यह 8 किलोमीटर लंबी और 2 किलोमीटर चौड़ी है। इस घाटी में ऐसे-ऐसे फूल खिले हैं जो पूरे विश्व में शायद ही कहीं और देखने को मिलें। राष्ट्रीय पार्क होने के साथ-साथ इसे अंतर्राष्ट्रीय धरोहर भी घोषित किया गया है। सिक्खों का पवित्र तीर्थ हेमकुंड साहिब इस पार्क से मात्र दस किलोमीटर की दूरी पर है।

पहेलियाँ

(*i*) घड़ी, (*ii*) मेढ़क, (*iii*) गुलाब जामुन, (*iv*) चारपाई, (*v*) पेड़

पहेलियों की व्याख्या करें। उन्हें बताएँ–

(*i*) घड़ी हम इसलिए प्रयोग करते हैं ताकि हमें समय का पता चल सके और हम अपने समय का सही प्रयोग कर सकें, कब सोना है, कब जागना है, कब स्कूल जाना हैं, कब खेलना है आदि।

(*ii*) पेड़ के पाँव अर्थात जड़ें धरती में होती हैं। पेड़ की ऊँची डालियाँ इसका सिर है। सब पेड़ जड़ों से ही भोजन प्राप्त करते हैं।

(*iii*) गुलाब जामुन इतना स्वादिष्ट होता है कि सबका मन इसे खाने को करता है। इसमें एक फूल का नाम है–गुलाब, इसमें एक फल का नाम भी है–जामुन। इस मिठाई का नाम तो है ही–गुलाब जामुन।

(*iv*) चारपाई के चार पाए होते हैं, यह अपने-आप चल नहीं सकती। जब कोई थक जाता है तो चारपाई पर लेटकर आराम करता है। आजकल चारपाई का स्थान पलंगों ने ले लिया है।

(*v*) मेढ़क ऐसे बैठता है जैसे ऊँट बैठता है, मेढ़क की चाल हिरन जैसी होती है– दोनों छलाँगें मारते हैं। मेढ़क की दुम नहीं होती, न ही उसके शरीर पर बाल होते हैं।

13. चतुर खरगोश

मुख से

(क) शेर अपनी परछाई को कुएँ में देखकर दूसरा शेर समझ बैठा था।

(ख) कि वह रोज़ एक जानवर खा लिया करे।

(ग) इतनी देर से क्यों आए हो?

(घ) गर्म, लाल पत्थर खाने के कारण शेर छटपटाने लगा।

कलम से

1. (क) उसी कानन वन में उस शेर के पोते ने उत्पात मचा रखा था, जिसे खरगोश ने मरवा डाला था।
   (ख) जंगल के सारे जानवर शेर से इसलिए दुखी थे क्योंकि वह एक ही दिन में कई जानवरों को मार डालता था।
   (ग) खरगोश ने बताया कि वह रास्ते में स्वादिष्ट खाना खाने लगा था इसलिए उसे देरी हुई।
   (घ) ठंडक पाने के लिए शेर ने झरने में छलाँग लगा दी।
2. (क) परछाईं, (ख) चालाक, (ग) परेशान, (घ) लकड़ियाँ, पत्थर
3. (क) खरगोश की, (ख) पत्थरों को, (ग) तरकीब

भाषा से

1. (क) दुखी थे, (ख) पहुँचा, (ग) खाऊँगा, (घ) जलाईं, (ङ) गया
2. (*i*) पेड़ पर एक बंदर बैठा था।
   (*ii*) मैं कल आऊँगा।
   (*iii*) कौआ काँव-काँव कर रहा है।
   (*iv*) मैं अपना काम स्वयं करता हूँ।
3. (*i*) विद्यालय, (*ii*) हलवाई, (*iii*) गायक, (*iv*) डरपोक, (*v*) चित्रकार
4. (क) डूबकर, आकर, गरजकर, मारकर, दहाड़कर
   (ख) परेशानी, खुशी, उदासी, गरमी, बहादुरी

सोच-समझकर

1. बच्चे सोचकर बताएँगे। **संकेत :** हिरन, बकरा, भेड़ आदि।
2. मटकों को उपलों की भट्ठी में पकाया जाता है। अंडों को उबालकर या घी में तलकर पकाया जाता है। रोटियाँ तवे पर या तंदूर में पकाई जाती है। चावल व दाल आदि को कुकर में पकाया जाता है।

14. श्रमवीर

मुख से

(क) पूरब दिशा की ओर लाली देखकर किसान समय का अनुमान लगा लेता है।

(ख) हर मौसम तथा हर त्योहार पर भी वह खेतों में काम करता है।

(ग) सरदी, गरमी और बरसात, हर मौसम में वह खेतों की रखवाली करता है।

कलम से

1. (क) किसान चिड़ियों के जगने से पहले (सवेरा होने से पहले) खाट छोड़ देता है।
   (ख) खेतों पर जाने से पहले बैलों को खिला-पिलाकर तैयार करता है।
   (ग) किसान ने कभी भी घर पर रहकर आराम करना नहीं सोचा।
2. (क) ग्रीष्म ऋतु का (ख) वर्षा ऋतु का (ग) शरद ऋतु का
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✗

भाषा से

1. कृषक–किसान, सुबह–सवेरा, भूमि–धरती, मेघ–बादल, अग्नि–आग, सदा–हरदम
2. सुबह–शाम, जगना–सोना, चलती–रुकती, काम–आराम, जलाना–बुझाना, बाहर–भीतर, छोड़ना–पकड़ना, आग–पानी
3. (*i*) हमेशा, (*ii*) छाँट, (*iii*) मौन, (*iv*) रहती, (*v*) गड़-गड़
4. सींचना–सिंचाई, लिखना–लिखाई, कमाना–कमाई, बुनना–बुनाई, काटना–कटाई, पढ़ना–पढ़ाई, चढ़ना–चढ़ाई, उतरना–उतराई

सोच-समझकर

1. किसान का जीवन बहुत कठोर होता है। उसे निरंतर मेहनत करनी पड़ती है। सरदी-गरमी या बरसात में भी वह अपने काम में जुटा रहता है। वह त्योहार मनाने के लिए भी काम से छुट्टी नहीं लेता।
2. 'पूरब की लाली' का अर्थ है–उगता हुआ सूरज।
3. रिक्शावाला सवारियाँ ढोता है। यह थके हुए लोगों को घर पहुँचाता है।
   सब्ज़ीवाला गली-गली सब्ज़ी बेचता है। इससे लोगों को अपने घर के पास सब्ज़ी मिल जाती है।
   मज़दूर ईंट-गारा ढोकर मकान बनाता है। इसकी मदद के बिना कोई घर आदि नहीं बनाया जा सकता।

15. हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

मुख से

(क) भारत 15 अगस्त, 1947 को आज़ाद हुआ।
(ख) क्योंकि इसमें तीन रंग होते हैं।
(ग) सफेद पट्टी के बीचों-बीच।
(घ) राज-चिह्न में चार शेर हैं। ये शेर पीठ मिलाकर खड़े हैं। सामने से देखने पर तीन शेर ही दिखाई पड़ते हैं।

कलम से

1. (क) हमारे राष्ट्र ध्वज में सबसे ऊपर केसरिया रंग है। यह रंग वीरता का प्रतीक है।
   (ख) हमारे राष्ट्र ध्वज के बीच में सफ़ेद रंग है। यह रंग शांति का प्रतीक है।
   (ग) हमारे राष्ट्र ध्वज में सबसे नीचे हरा रंग है। यह रंग खुशहाली का प्रतीक है।
   (घ) कमल के फूल की विशेषता यह है कि यह कीचड़ में खिलकर भी सुगंध फैलाता है।
2. बच्चे स्वयं करें। (क), (ख), (ग)
3. (क) रवीन्द्र नाथ ठाकुर, (ख) शेर, (ग) मोर

भाषा से

1. (क) कहते हैं, (ख) हुआ, (ग) लिखा, (घ) देते हैं।
2. सुंदरता, वीरता, शीतलता, महानता, मित्रता, दृढ़ता, शत्रुता, योग्यता
3. भारत, ध्वज, मोर, शेर, चक्र, रवींद्रनाथ ठाकुर
4. केवल समझाने हेतु

सोच-समझकर

1. भारत के दो अन्य त्योहार हैं– (*i*) गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), (*ii*) गांधी जयंती (2 अक्तूबर)
   – गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। देश-भक्ति के गीत गाए जाते हैं। अच्छे कार्य करने वाले बच्चों को इनाम दिए जाते हैं।
   – गांधी जयंती पर बापू के चित्र पर फूलमाला चढ़ाई जाती है। भजन गाए जाते हैं। बापू का एक मनपसंद भजन था–
   रघुपति राघव राजा राम
   पतित पावन सीता-राम।
2. तिरंगा स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा किसी भी गर्व के अवसर पर फहराया जाता है।

आओ कुछ और करें

बच्चों को वर्तमान राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के नाम बताएँ। फिर कुछ बच्चों से कहलवाएँ।

मॉडल प्रश्न पत्र – I

1. (क) फूलों से हम हँसना सीख सकते हैं।
   (ख) गोपालकृष्ण गोखले भारत के महान नेताओं में से एक थे।
   (ग) मीठा बोलने वाले लोग सबको भाते हैं।
   (घ) यदि प्रतिदिन स्नान न किया जाए तो शरीर से दुर्गंध आने लगती है।
2. (क) रवींद्र ने मँझली भाभी से विनती की कि वे पिंजरे में रखने के लिए पक्षियों को न लाएँ।
   (ख) चिड़िया जब आसमान में दूर तक उड़ी, तब वह समझी कि संसार बहुत बड़ा है।
   (ग) बंदर जब काफ़ी रोटी खा गया तब उन्हें बंदर की चालाकी का पता चला।
   (घ) चिड़िया दरार से दाना इसलिए नहीं निकल पाई क्योंकि उसकी चोंच इतनी लंबी नहीं थी कि वह उसे निकाल पाती।
3. (क) पर्वत से, (ख) अंडे जैसा, (ग) महात्मा गांधी, (घ) सभी सही हैं
4. (क) च् + अ + न् + ए
   (ख) श् + अ + ह् + अ + र् + अ
   (ग) ह् + आ + थ् + अ, (घ) र् + ओ + ज़् + अ
5. (क) नभ, (ख) संसार, (ग) गृह, (घ) पंख

6. पार्क, चक्र, पार्टी, ड्रम

7. (क) वह, (ख) वे, (ग) उन्होंने, (घ) मैंने

8. (क) के, (ख) को, (ग) की, (घ) का

9. न् + न = न्न – चेन्नई, प् + प = प्प – अप्पू, म् + म = म्म – अम्मा, च् + च = च्च – कच्चा

10. **संकेत :** हँसने से मन प्रसन्न रहता है, शरीर स्वस्थ रहता है, थकावट दूर होती है, काम करने और खेलने-कूदने का आनंद दुगुना हो जाता है, हँसने वाले को सब पसंद करते हैं।

11. **संकेत :** आपस में लड़ने से शत्रुता बढ़ती है, मन में गुस्सा आता है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, कोई और लड़ने का फ़ायदा उठाता है (जैसे बिल्लियों की लड़ाई में बंदर ने उठाया), लड़ने से नुकसान ही नुकसान होते हैं।

मॉडल प्रश्न पत्र – II

1. (क) हंस सबका हितैषी था और कौआ पूरा दुष्ट।
   (ख) बसंत में मौसम ठंडा मीठा होता है।
   (ग) किसान पूरब की लाली देखकर समय का अनुमान लगा लेता है।
   (घ) भारत 15 अगस्त, 1947 को आज़ाद हुआ।

2. (क) कश्मीर में गुलमर्ग, खिलनमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।
   (ख) हमें खाली समय में कुछ-न-कुछ नया सीखने की कोशिश करनी चाहिए।
   (ग) खरगोश ने बताया कि वह रास्ते में स्वादिष्ट खाना खाने लगा था इसलिए उसे देरी हुई।
   (घ) किसान ने कभी भी घर पर रहकर आराम करना नहीं सोचा।

3. (क) कौए ने, (ख) शरद की, (ग) मैडम का, (घ) रवीन्द्र नाथ ठाकुर

4. (क) था, (ख) गया, (ग) आई, (घ) दी

5. आकर्षक, क्यारियाँ, मुख्याध्यापक, कृपया

6. महात्मा गांधी, शेर, दिल्ली, खुशी (अन्य उत्तर भी हो सकते हैं)

7. ऋतुएँ, वस्तुएँ, पतंगें, पुस्तकें

8. बुरे × अच्छे, सही × गलत, पहले × बाद में, उदासी × खुशी

9. (क) थे, (ख) होती है, (ग) आया, (घ) देखा

10. व 11. का उत्तर बच्चे अपनी सोच से लिखेंगे।

संकेत :

10. माता-पिता को नमस्कार, बड़ों का कहना मानना, अपना काम स्वयं करना, सबसे मिल-जुलकर रहना, झगड़ा न करना, साफ़-सुथरा रहना, पौष्टिक खाना खाना आदि।

11. छोटा शहर / बड़ा शहर, अच्छे लोग, पार्क, स्टेडियम, बाज़ार, स्कूल, सिनेमाघर या मनोरंजन स्थल आदि।